दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 24 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 147

अंतर्राष्ट्रीय

जाम की टेंशन अब खत्म, आ गई उड़ने वाली कार, इतनी होगी कीमत

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एक ऑटो कंपनी ने आसमान में उडऩे वाली कार का निर्माण कर सफलता हासिल की है। जो आपको रोड़ में लगे जाम के झंझट से दूर ले जाएगी। अमेरिका की कंपनी अलेफ एरोनॉटिक्स ने आसमान में उड़ती कार का पहला वीडियो जारी किया है। इस कार निर्माता ने अपनी इलेक्ट्रिक कार का सडक़ पर एक अन्य कार के ऊपर से 'कूदने' का फुटेज जारी किया है और इसे शहर में कार चलाने और वर्टिकल टेक-ऑफ भरने के इतिहास का पहला परीक्षण बताया है। इस परीक्षण का वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है और अभी से ही लोग इसको खरीदने का मन बनाने लगे हैं। कंपनी की ओर से जारी फुटेज में दिखाया गया है कि कार रास्ते में खड़े एक कार के ऊपर से कूद रही है। रास्ते में खड़ी कार से थोड़ी ही दूरी से कार उड़ान सीधी उड़ान भरती है, फिर कार को पार करने के बाद आगे उतर जाती है। प्रोपेलर ब्लेड को कवर करने वाली जालीदार बॉडी के साथ इलेक्ट्रिक प्रपोलेजन का इस्तेमाल करके, कार जमीन से ऊपर उडऩे में सक्षम है। न्यू यॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने परीक्षण के लिए एक प्रोटोटाइप का इस्तेमाल किया जो एलेफ़ मॉडल जीरो का एक अल्ट्रालाइट संस्करण था। इस कार को अभी मार्केट में उतारा नहीं गया है और इसकी कीमत की चर्चाए पहले से होने लगी हैं। अलेफ एरोनोट्स के मुताबिक इसकी कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपये होगी और ये एक आम कार की तरह सडक़ पर भी चल सकती है।

भारत हमारा फायदा उठाता है, इलेक्शन फंडिंग देने की कोई जरूरत नहीं', यूएसएआईडी पर फिर बोले ट्रंप

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट द्वारा भारत को दिए जाने वाले फंड पर एक बार फिर हमला बोलते हुए दावा किया कि उसने भारत को चुनाव में सहायता के लिए '18 मिलियन डॉलर' दिए। ट्रंप ने कहा कि भारत को चुनाव के लिए धन मुहैया कराना अनावश्यक है क्योंकि उन्हें वित्तीय सहायता की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारत अमेरिका का 'फायदा उठाता है' और वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक टैरिफ लगाता है। यह चौथी बार है जब ट्रंप ने भारत में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी फंडिंग को लेकर अपना दावा दोहराया है। इससे पहले भी उन्होंने इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह फंडिंग किसी अन्य को चुनाव जिताने के लिए की गई थी। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि सरकार भारतीय चुनावों में संभावित विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में ट्रंप प्रशासन द्वारा दिए गए बयानों की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि 'तथ्य सामने आएंगे।' एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि यूएसएआईडी को भारत में 'गुड फेथ' के तहत काम करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अब अमेरिका से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि 'कुछ गतिविधियां बुरी नीयत से की जा रही हैं।' जयशंकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि ट्रंप प्रशासन के कुछ लोगों ने कुछ जानकारी सार्वजनिक की है, जो निश्चित रूप से चिंताजनक है।

अवैध प्रवासियों को वतन वापिस भेजने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर लिया बड़ा फैसला

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष अमेरिकी जनरल को बर्खास्त कर दिया। ट्रंप ने घोषणा की कि वह ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष चार्ल्स क्यू ब्राउन को बर्खास्त कर रहे हैं और उनकी जगह वायु सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जॉन डैन रजिन केन को नियुक्त कर रहे हैं। केन सेना से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके बाद रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने नौसेना प्रमुख और वायु सेना उप प्रमुख को बर्खास्त कर दिया। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर कहा कि जनरल केन कुशल पायलट, राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ हैं। मेरे पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने आइएस के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह रिकॉर्ड समय में कुछ ही हफ्तों में किया गया था। ट्रंप ने बाइडन प्रशासन पर पदोन्नति के लिए जनरल केन को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया। इसके कुछ मिनट बाद ही हेगसेथ ने बयान जारी कर नौसेना प्रमुख एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को बर्खास्त करने की घोषणा की। उन्होंने वायु सेना के उप प्रमुख जनरल जेम्स स्लिफ को भी हटा दिया। उन्होंने सेना, नौसेना और वायु सेना के जज एडवोकेट जनरल को भी हटाने का फैसला लिया है।

वीकेंड पर महाकुंभ में उमड़े श्रद्धालु, 25 किलोमीटर लंबा जाम; कई घंटों तक फंसे रहे वाहन

महाकुंभ नगर । आरएनएस

दिव्य और भव्य महाकुंभ मेले में शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ गई। सुबह से लेकर शाम तक स्नानार्थियों का लगातार आगमन होता रहा, जिससे मेले के बाहरी क्षेत्र में कई घंटों तक जाम की समस्या बनी रही। इस दिन मेले का आखिरी वीकेंड होने के कारण श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ गई है। प्रयागराज में भीषण जाम की स्थिति पैदा हो गई है। प्रशासन के अनुसार, शहर में करीब 25 किलोमीटर लंबा जाम लगा है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। रीवा, वाराणसी, कानपुर समेत अन्य मार्गों पर भी वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं।

शानदार आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को लगभग 1.11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया। वहीं, रविवार को भी इस संख्या में वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है। अवकाश के चलते रात से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रवास कर रहे हैं, जिसके कारण सुबह से प्रयागराज शहर और हाईवे पर भीषण जाम की स्थिति कायम है। पुलिस प्रशासन ने जाम को कम करने के लिए डायवर्जन प्लान लागू कर दिया है। कोखराज बाईपास से फाफामऊ बेला कछार पार्किंग तक सभी गाडिय़ों को डायवर्ट कर, श्रद्धालुओं को आसानी से महाकुंभ स्थल तक पहुँचाया जा रहा है। संगम तट से 10 किलोमीटर पूर्व ही वाहनों को रोककर, लोगों को पैदल घाट तक भेजा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, संगम तट पर भारी भीड़ और पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं के कारण नैनी, झूंसी और फाफामऊ की ओर भी वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। शनिवार को प्रयागराज में 90 हजार से अधिक वाहनों का प्रवेश दर्ज किया गया है। शुक्रवार देर रात से कौशांबी, लखनऊ, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी, मीरजापुर, रीवां तथा बांदा से बड़ी संख्या में वाहनों के प्रवाह के साथ मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ तेजी से बढ़ रही है।

महाकुंभ में रेलवे ने श्रद्धालुओं के लिए 14 हजार से ज्यादा ट्रेनों का किया संचालन

प्रयागराज । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित भव्य और दिव्य महाकुंभ में देश-विदेश से श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार से कोई दिक्कत न हो इसके लिए मेला प्रशासन द्वारा उचित व्यवस्था की गई है। महाकुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल मार्ग से आ रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए रेलवे द्वारा स्पेशल मेला गाड़ी भी चलाई जा रही है। रेलवे की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए 14 हजार से अधिक ट्रेनों का संचालन किया गया। इसमें 92 फीसदी ट्रेन मेल, एक्सप्रेस, सुपर-फास्ट, पैसेंजर और मेमू श्रेणी की रही हैं। जबकि 472 राजधानी और 282 वंदे भारत ट्रेन संचालित हुई। ज्ञात हो कि एक आंकड़े के अनुसार अब तक महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई है। मेला समापन की ओर बढ़ रहा है, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार महाकुंभ पहुंच रही है। ऐसे में रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

हाल ही में उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कि अब कुंभ मेला अपने अंतिम सप्ताह में पहुंच गया है। महाशिवरात्रि के दिन आखिरी पवित्र स्नान होगा। इस अवसर पर हमारी तैयारियों को और बेहतर बनाने का लक्ष्य है, ताकि यात्री सुविधाओं को बढ़ाया जा सके तथा यातायात में कोई व्यवधान न हो। स्टेशन पर टिकट काउंटर, ऑटोमेटेड टिकट वेंडिंग मशीनें, खानपान की सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाई गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर विशेष तैयारियां की गई हैं।

अजमेरी गेट की ओर एक इनक्लोजर, एक एरिना और एक होल्डिंग क्षेत्र का विकास किया गया है। 15 अनारक्षित टिकट काउंटर और 10 ऑटोमेटेड टिकट वेंडिंग मशीनें चालू हो जाएंगी। वर्तमान में 10 काउंटर और पांच ऑटोमेटेड मशीनें काम कर रही हैं। इसके अलावा, यात्रियों के खानपान के लिए काउंटर लगाए गए हैं और महिलाओं के लिए एक अलग काउंटर खोला जाएगा। एक इन्क्वायरी काउंटर भी बनाया गया है, ताकि किसी भी यात्री को कोई समस्या न हो और उन्हें सही जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से उन स्थानों के लिए भी तैयारियां की गई हैं, जहां अतिरिक्त भीड़ हो सकती है।

बोलेरो और ट्रक की टक्कर में चार की मौत

खंडवा । आरएनएस

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में बोलेरो और ट्रक के बीच हुई टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं चार अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार धनगांव थाना क्षेत्र के सुलगांव के पास पुनासा रोड में एक बोलेरो की ट्रक से टक्कर हो गई। इस बोलेरो में सवार लोग एक महिला को उपचार के लिए सनावद अस्पताल ले जा रहे थे। इस महिला ने पारिवारिक विवाद या अन्य किसी कारण से जहर खा लिया था। इसी दौरान बोलेरो की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में बोलेरो में सवार चार लोगों की मौत हुई है जबकि चार अन्य लोग घायल हुए हैं।

पुलिस के अनुसार यह टक्कर इतनी भयानक थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे तक उड़ गए। इस हादसे का शिकार हुए लोगों को काफी मशक्कत के बाद बोलेरो से बाहर निकाला गया। इस हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग जमा हो गए और उन्होंने घायलों की मदद के लिए हर संभव कोशिश की।

मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने भी घायलों को बोलेरो से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। बताया गया है कि बोलेरो सही रास्ते से जा रही थी तभी गलत साइड से ट्रक आ गया और दोनों वाहनों के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। वहां से निकल रहे लोग और आसपास के निवासी हादसे का शिकार हुए लोगों की मदद के लिए आए। सभी ने घायलों को निकालने का अभियान चलाया। तब तक बोलेरो में सवार चार लोगों की मौत हो चुकी थी, वहीं चार अन्य लोग घायल थे। इन घायलों को बेहतर और समय से उपचार मिल सके, इसके लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया।

श्रीसैलम टनल में फंसे झारखंड के चार कामगार, सीएम बोले- हर पल ले रहे रेस्क्यू की जानकारी

रांची । आरएनएस

तेलंगाना के श्रीसैलम में निर्माणाधीन टनल की छत का एक हिस्सा ढहने से फंसे आठ लोगों में चार झारखंड के गुमला जिले के रहने वाले हैं। शनिवार को इसकी जानकारी मिलने के बाद चारों मजदूरों के घरों में कोहराम मच गया है। परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद स्थानीय प्रशासन के अफसरों ने मजदूरों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिलाया है कि मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन पर राज्य की सरकार की निगाह है।

सुरंग में फंसे मजदूरों में गुमला सदर थाना क्षेत्र के तिर्री गांव निवासी संतोष साहू, घाघरा थाना क्षेत्र के खंभिया कुंबा टोली निवासी अनुज साहू, रायडीह थाना क्षेत्र के कोबी टोली गांव निवासी जगता खेस और पालकोट थाना क्षेत्र के उम्दा नकटी टोली गांव निवासी संदीप साहू शामिल हैं।

गुमला के श्रमिक निर्मल साहू, बॉबी साहू और जुआरी साहू उन लोगों में हैं, जो हादसे के ठीक पहले टनल से बाहर निकलने में सफल रहे। इन्हीं श्रमिकों ने सबसे पहले अपने साथियों के घर वालों को हादसे की सूचना दी। संदीप साहू पिछले साल मजदूरी करने के लिए तेलंगाना गए थे। संदीप के साथ काम करने वाले निर्मल साहू ने शनिवार को उनकी पत्नी संतोषी देवी को घटना की जानकारी दी।

इसके बाद से संतोषी देवी, बेटा ऋषभ, बेटी रीमा और राधिका की आंखों के आंसू नहीं थम रहे। इसी तरह संतोष साहू की बेटियां राधिका कुमारी और रीमा कुमारी भी रो-रोकर बेहाल हैं। राधिका ने कहा कि शनिवार शाम को हमें फोन से घटना की जानकारी मिली। सरकार से आग्रह है कि मेरे पिता सहित सभी लोगों को सुरक्षित निकाला जाए। घाघरा के अनुज साहू दो माह पूर्व काम करने गए थे। उनके घर वाले भी परेशान हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से आग्रह किया है कि श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के अधिकारी तेलंगाना सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, सभी श्रमिक सुरक्षित बाहर निकाल लिए जाएं, मरांग बुरु से यही प्रार्थना है।

भारत ने जीता प्रतिष्ठित वैश्विक सड़क सुरक्षा पुरस्कार

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत सरकार को पिछले दस वर्षों में वाहन सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित प्रिंस माइकल डिकेड ऑफ एक्शन रोड सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

इस सम्मान में प्रमुख प्रगति को मान्यता दी गई है, जैसे कि न्यू कार सेफ्टी असेसमेंट प्रोग्राम की शुरुआत तथा देश में निर्मित सभी नए दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) को अनिवार्य बनाना।

सडक़ सुरक्षा के लिए वैश्विक पुरस्कार माराकेच में आयोजित सडक़ सुरक्षा पर चौथे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में प्रदान किए गए। भारत ने यह सम्मान मोरक्को के साथ साझा किया, जिसे सडक़ सुरक्षा में उसके योगदान के लिए भी मान्यता दी गई।

दुनिया भर के विभिन्न देशों के परिवहन प्रमुखों ने 2030 तक वैश्विक सडक़ दुर्घटनाओं को 50 प्रतिशत तक कम करने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए आयोजित माराकेच सम्मेलन में हिस्सा लिया।

सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एटियेन क्रुग से भारत सरकार के लिए यह पुरस्कार स्वीकार किया।

पुरस्कार प्रशस्ति पत्र पढ़ते हुए टम्टा ने 2014 में भारतीय कारों के स्वतंत्र क्रैश परीक्षणों के बाद शुरू हुए महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव पर प्रकाश डाला। इसके परिणामस्वरूप सडक़ परिवहन मंत्रालय द्वारा वाहन सुरक्षा मानकों के लिए संशोधित रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

2018 में, नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2023 तक भारत के वाहन सुरक्षा मानदंडों को यूरोपीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की थी।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह प्रतिष्ठित वैश्विक पुरस्कार इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि पिछले 10 वर्षों में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई 60 प्रतिशत बढक़र 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढक़र 2024 में 146,195 किलोमीटर हो गई है, जिससे यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सडक़ नेटवर्क बन गया है।

एक ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर की लंबाई भी 2014 में मात्र 93 किमी से बढक़र 2024 में 2,474 किमी हो गई है, जो देश के बुनियादी ढांचे में भारी सुधार को दर्शाता है।

देश के राजमार्गों में तेजी से विकास भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख कार्यक्रमों जैसे भारतमाला परियोजना के कारण हुआ है।

विश्व बैंक, जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से ऋण सहायता सहित बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं के माध्यम से 2,540 किलोमीटर राजमार्ग जोड़े गए हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, पांच नौकाएं की जब्त

नई दिल्ली । आरएनएस

श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अधिकारियों के द्वारा मछली पकडऩे वाली उनकी पांच नौकाएं भी जब्त की गई है। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया कि मछली पकडऩे वाली पांच भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया और 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया। नौसेना ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं को तलाईमन्नार पियर लाया गया, जहां उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान के मुताबिक, नौसेना ने इस साल अब तक 131 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकडऩे वाली 18 नौकाओं को जब्त किया है।

महाकुंभ : जेपी नड्डा और योगी आदित्यनाथ ने संगम में लगाई पवित्र डुबकी

महाकुंभ नगर । आरएनएस

तीर्थराज प्रयाग की धरती पर आयोजित दिव्य और भव्य महाकुंभ में आम से लेकर खास श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को होने वाला है। इसके पहले लोग पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य के भागी बन रहे हैं। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर महाकुंभ पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी थे।

महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसकी

तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों दिग्गज राजनेता पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे।

दोनों दिग्गज नेताओं की पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी महाकुंभ में मौजूद लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र भी बनी। इसके पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, महान ऋषियों, मुनियों एवं तपस्वियों की तपोभूमि तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेला 144 साल के बाद आयोजित हुआ है। यह हिंदू धर्म के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों में से एक है। इस खास अवसर पर लाखों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा रहे हैं, जो उनके लिए धार्मिक उन्नति और पापों से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। 13 जनवरी से शुरू महाकुंभ में हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और इनकी संख्या 60 करोड़ को भी पार कर गई है।

महाकुंभ नगर मेला प्रशासन के मुताबिक, प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 करोड़ के पार पहुंच गया है। शनिवार दोपहर 12 बजे तक 71.18 लाख श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर चुके थे। महाकुंभ का आखिरी स्नान महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को है। दावा किया जा रहा है कि शेष बचे चार दिनों में स्नानार्थियों की संख्या 65 करोड़ के पार भी जा सकती है।

अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक करीब 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था। जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई। इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया।

प्रयागराज के डीएम रवींद्र मांदड़ के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी लगातार ऑन फील्ड रहकर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उनके अनुसार, हम लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं कि श्रद्धालुओं के फीडबैक के अनुसार उस पर काम करके श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जाए। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी लगातार काम किया जा रहा है। वीकएंड्स, पीक डे व अवकाश के दिनों में पुलिस ट्रैफिक डायवर्जन की योजना लागू करती है। इसके लिए पुलिस के अधिकारियों को भी ब्रीफ कर सचेत किया गया है। उनके अनुसार, जहां पर भी समस्या आ रही है, उसके निराकरण के प्रयास जारी हैं।